

राग- रागेश्री

थाट – खमाज

स्वर – कोमल नी बाकी स्वर शुद्ध

वर्ज स्वर – आरोहात रे व प, अवरोहात प

जाती – औडव - षाडव

वादी स्वर – ग

संवादी स्वर – नी

गायनसमय – रात्रिचा दूसरा प्रहर

समप्रकृतीक राग – बागेश्री

आरोह – सा ग म ध नी सां

अवरोह – सां नी ध म ग म रे सा

पकड – ग म ध, नि ध म, ग म रे सा